Welland Gouldsmith School
2nd Language Hindi
Class- IV

पाठ — विचित्र मणि

किसी गाँव में दीनू नामका एक गरीब बुद्धिमान लड़का रहता था । उसकी समझदारी से खुश होकर राजा ने उसे महामंत्री बनाया । ईर्ष्यालू दरबारी जब दीनू से उसके प्रसन्न रहने का कारण पूछने पर उसने कहा कि उसके पास विचित्र मणि है । दरबारी उसे उससे चुराना चाहते थे । इसलिए वह उसके साथ गावँ गए ताकि वो विचित्र मणि पा सके । दीनू ने कहा कि उसकी विचित्र मणि चाँद के ठीक नीचे वाली जमीन पर है । दरबारी मणि पाने के लालच में दीनू की बंजर जमीन को रात भर खोदे । पर उन्हें मणि नहीं मिला और वो दीनू पर क्रोधित हो गए । उन्होंने राजा से शिकायत की । दीनू ने कहा महाराज मेरी विचित्र मणि अर्थात मेरी बुद्धि तो मेरे माथा रूपी चाँद के भीतर ही है । यह सुनकर राजा प्रसन्न होकर उसे पुरस्कार दिए और दरबारियों को दीनू के प्रति बुड़े व्यवहार हेतु दंड दिए ।

क. “शुद्ध उच्चारण करे” --- के हर शब्दों को तीन-तीन बार लिखे ।

ख. शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग करें ---

1. निर्धन 3. प्रसन्नचित्त 5. बंजर
2. ईर्ष्या 4. विवश 6. पुरस्कार

ग. “ मेरे पास एक विचित्र मनि है “ ---- किसने कहा ? किससे कहा ? वक्ता का चरित्र चित्रण कीजिए ।

गृह कार्य (Home work)

क. राजा ने युवक को नौकरी क्यों दी ?

ख. दरबारियों ने जमीन को क्यों खोदा ?

ग. सही मिलान करे ----

1. राजा का दरबार	ईर्ष्यालु
2. तेज बुद्धिवाला	अनिवार्य
3. जिसके पास धन न हो	राजदरबार
4. जो दूसरों से ईर्ष्या करता है	प्रसन्नचित्त
5. सदा प्रसन्न रहने वाला	निर्धन
6. जो बहुत जरूरी हो	बुद्धिमान

Note: सभी प्रश्न-उत्तर को अभ्यास पुस्तिका (Exercise Book) में लिखना है ।

---------- x ----------